

पहले दिल से भरम, निकाल सखा
 फिर देख विधि का कमाल सखा
 तुझे क्या दिखलाऊँ ॥३३३३॥
 सखा रे तुझे क्या दिखलाऊँ
 म रखती सबका ख्याल, सखा रे तुझे क्या दिखलाऊँ
 सखा रे तुझे क्या दिखलाऊँ

शुद्ध भाव से जहाँ भी, विधियाँ होती हैं
 इष्ट कृपा से वहाँ तो, निधियाँ होती हैं
 हल पूरे होते - सवाल सखा
 और होते - माला माल सखा
 तुझे क्या दिखलाऊँ - सखा रे तुझे क्या दिखलाऊँ
 म रखती सबका ख्याल
 सखा रे तुझे क्या दिखलाऊँ
 सखा रे तुझे क्या दिखलाऊँ
 पहले दिल से -----

मित पल दया बरसती करुणा बरसाये
 देख-देख अपने बच्चों को हर्षाये
 बन जा तू मर्दाने का लाल सखा
 सब होड़ तू दिल से-मलाल सखा
 तुझे क्या दिखलाऊँ... सखा रे तुझे क्या दिखलाऊँ
 मर्दाने रखती----- पहले दिल से-----

मर्दाने की दया से मन बगिया में हरियाली
 हरी हुई इस जीवन की सूखी डाली
 जग का हितकारी, बन जा सखा
 श्री-चरण पुजारी- बन जा सखा
 तुझे क्या दिखलाऊँ... सखा रे तुझे क्या दिखलाऊँ
 मर्दाने रखती----- पहले दिल से-----

दीन भाव से मर्दाने को पुकारे आती हैं
 पुत्र समझ के पल में कष्ट मिटाती हैं
 हर बार तू कर-विश्वास सखा
 मर्दाने रहती "श्रीबाबा श्री" के पास सखा
 तुझे क्या दिखलाऊँ- सखा रे तुझे क्या दिखलाऊँ
 मर्दाने रखती----- पहले दिल से-----